This question paper contains 8 printed pages]

455

M.A. (Final) Examination, 2022

HINDI LITERATURE

Paper I

काव्य-3 (आधुनिक काव्य)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

This question paper contains ***three*** *sections as under :*

Section-A **खण्ड 'अ'** ***Max. Marks-10***

This section contains ***one*** *compulsory question with* ***10*** *parts. Answer of each part should not exceed* ***20*** *words.* ***All*** *questions carry equal marks.*

इस खण्ड में ***एक*** *अनिवार्य प्रश्न है जिसमें* ***10*** *भाग हैं। प्रत्येक भाग का उत्तर* ***20*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

Section-B **खण्ड 'ब'** ***Max. Marks-50***

This section contains ***10*** *questions. Attempt* ***5*** *questions in all, selecting* ***one*** *question from each unit. Answer of each question should not exceed* ***250*** *words.* ***All*** *questions carry equal marks.*

इस खण्ड में ***10*** *प्रश्न हैं। प्रत्येक इकाई से* ***एक*** *प्रश्न का चयन करते हुए कुल* ***5*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***250*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

Section-C **खण्ड 'स'** ***Max. Marks-40***

This section contains ***4*** *questions (questions may have sub-divisions). This section will cover all units but not more than one question from each unit. Question No.* ***12*** *(First Question of this Section) is compulsory. Attempt* ***one*** *question from rest of* ***three*** *questions of this Section. Answer of each question should not exceed* ***500*** *words.* ***All*** *questions carry equal marks.*

इस खण्ड में ***4*** *प्रश्न हैं (प्रश्नों के उपभाग हो सकते हैं)। इस खण्ड में एक इकाई से अधिकतम एक प्रश्न होगा। प्रश्न संख्या* ***12*** *(इस खण्ड का प्रथम प्रश्न) अनिवार्य है। शेष तीन प्रश्नों में से* ***एक*** *प्रश्न का उत्तर दिया जाना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***500*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) मैथिलीशरण गुप्त रचित 'साकेत' के नामकरण का आधार क्या है ?

(ख) साकेत महाकाव्य में किसके विरह का वर्णन प्रमुखता से किया गया है ?

(ग) 'कामायनी' में कुल कितने सर्ग हैं ?

(घ) ''राम की शक्ति-पूजा'' कृति में राम को शक्ति की आराधना करने का सुझाव किसने दिया ?

(ङ) मुक्तिबोध के किन्हीं **दो** काव्य-संग्रहों का नाम लिखिये।

(च) मुक्तिबोध किस तारसप्तक के कवि हैं ?

(छ) अज्ञेय का पूरा नाम लिखिए।

(ज) अज्ञेय रचित किन्हीं **दो** काव्य-ग्रंथों के नाम लिखिए।

(झ) 'आत्मजयी' का प्रमुख पात्र कौन है ?

(ञ) 'आत्मजयी' रचना की कथा किस उपनिषद् पर आधारित है ?

खण्ड-ब

इकाई-I

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मुझे फूल मत मारो,

मैं अबला बाला वियोगिनी, कुछ तो दया विचारो।

होकर मधु के मीत मदन, पटु, तुम कटु, गरल न गारो।

मुझे विकलता, तुम्हें विफलता, ठहरो, श्रम परिहारो।

नहीं भोगिनी यह मैं कोई, जो तुम जाल पसारो,

बल हो तो सिन्दूर-बिन्दु यह-यह हर नेत्र निहारो।

रूप-दर्प कन्दर्प, तुम्हें तो मेरे पति पर वारो,

लो, यह मेरी चरण-धूलि, उस रति के सिर पर धारो।

3. मेरे चपल यौवन-बाल!

अचल अंचल में पड़ा सो, मचलकर मत साल।

बीतने दे रात, होगा सुप्रभात विशाल,

खेलना फिर खेल मनके पहनके मणि-माल।

पक रहे हैं भाग्य-फल तेरे सुरम्य-रसाल,

https://www.uokonline.com

डर न, अवसर आ रहा है, जा रहा है काल।

मन पुजारी और तन इस दु:खिनी का थाल,

भेंट प्रिय के हेतु उसमें एक तू ही लाल!

इकाई-II

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

था एक पूजता देह दीन

दूसरा अपूर्ण अहंता में अपने को समझ रहा प्रवीण

दोनों का हठ था दुर्निवार, दोनों ही थे विश्वासहीन

फिर क्यों न तर्क को शास्त्रों से वे सिद्ध करें-क्यों हो न युद्ध

उनका संघर्ष चला अशांत वे भाव रहे अब तक विरुद्ध

मुझमें ममत्व भय आत्ममोह स्वातंत्र्यमयी उच्छृंखलता

हो प्रलय भीत तन रक्षा में पूजन करने की व्याकुलता

वह पूर्ण द्वंद्व परिवर्तित हो मुझको बना रहा अधिक दीन

सचमुच मैं हूँ श्रद्धा विहीन।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

देखा राम ने, सामने श्री दुर्गा, भास्वर,

वामपद असुर-स्कन्ध पर, रहा दक्षिण हरि पर।

ज्योतिर्मय रूप, हस्त दश विविध-अस्त्र-सज्जित,

मन्द-स्मित मुख, लख हुई विश्व की श्री लज्जित,

हैं दक्षिण में लक्ष्मी, सरस्वती वाम भाग,

दक्षिण गणेश-कार्तिक बायें रण-रंग-राग,

मस्तक पर शंकर, पद पद्मों पर श्रद्धा भर,

श्री राघव हुए प्रणत मन्द-स्वर-वन्दन कर।

"होगी जय, होगी जय, हे पुरुषोत्तम नवीन।"

कह महाशक्ति राम के वदन में हुई लीन

इकाई-III

6. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

सहसा रो उठा कन्धे पर वह शिशु,

अरे, अरे, वह स्वर अतिशय परिचित।

पहले भी कई बार कहीं तो भी सुना था,

उसमें तो स्फोटक क्षोभ का आयेगा,

गहरी है शिकायत, क्रोध भयंकर।

मुझे डर यदि कोई वह स्वर सुन ले,

हम दोनों फिर कहीं नहीं रह सकेंगे।

मैं पुचकारता हूँ, बहुत दुलारता,

समझाने के लिए तब गाता हूँ गाने,

अधभूली लोरी ही होठों से फूटती!

मैं चुप करने की जितनी भी करता हूँ कोशिश,

और-और चीखता है क्रोध से लगातार!!

गरम-गरम अश्रु टपकते हैं मुझ पर।

7. 'अँधेरे में' कविता के कलापक्ष के सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

इकाई-IV

8. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

भूल गया था केश कम्बली राजसभा को :

कम्बल पर अभियंत्रित एक अकेलेपन में डूब गया था।

जिसमें साक्षी के आगे था जीवित वही किरीटी-तरु

जिसकी जड़ वासुकि के फण पर थी आधारित,

जिसके कंधों पर बादल सोते थे।

और कान में जिसके हिमगिरि कहते थे अपने रहस्य।

संबोधित कर उस तरु को, करता था नीरव एकालाप प्रियंवद।

9. लम्बी कविता के लक्षणों के आधार पर 'असाध्य वीणा' का मूल्यांकन कीजिए।

इकाई-V

10. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

क्षणभर ममत्व की स्मृतियों में

विश्राम मुझे कर लेने दो।

कण-कण की पीड़ा से मेरी

कातर आत्मा को लिपट-लिपट रो लेने दो।

ये रज-कण अब भी मरे नहीं।

इनमें जी उठने की मानो क्षमता गहरी :

इस मिट्टी में

अब भी जीवन की गन्ध भरी।

इसमें अगिनत संसारों का अवसान उदय,

स्पर्श पुलक यह अमृतमय

क्षणभर मुझको।

11. भावसौंदर्य की दृष्टि से 'आत्मजयी' कविता की विवेचना कीजिए।

खण्ड-स

12. महाकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'साकेत' का मूल्यांकन कीजिए।

13. 'सरोज स्मृति' एक श्रेष्ठ शोकगीत है।'' इस कथन को स्पष्ट करते हुए, 'सरोज-समृति' के काव्य-सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

14. ''आत्मजयी' एक समस्या प्रधान काव्य है।'' इस कथन को स्पष्ट करते हुए समझाइए कि वह समस्या एक विचारशील व्यक्ति की समस्या है।

15. 'असाध्य वीणा' कविता के काव्य-सौंदर्य का वर्णन कीजिए।